भूमि संरक्षण के लिये प्रो. श्यामसुंदर ज्याणी संयुक्त राष्ट्र के पुरस्कार से सम्मानित

चर्चा में क्यों?

28 सितंबर, 2021 को राजस्थान के **प्रो. श्यामसुंदर ज्याणी** को **भूमि संरक्षण हेतु विश्व के सर्वोच्च पुरस्कार 'लैंड फॉर लाइफ अवॉर्ड'** (Land for Life Award) से नवाजा गया।

- **चीन के बून में आयोजित ऑनलाइन वैश्विक समारोह में** अंतर्राष्ट्रीय श्रेणी के तहत **पारिवारिक वानिकी के लिये उन्हें यह पुरस्कार प्रदान** किया गया।

प्रमुख बिंदु

- प्रो. ज्याणी को 17 जून, 2021 को कोस्टारिका में **विश्व मरुस्थलीकरण दिवस** के वैश्विक आयोजन में भूमि संरक्षण में अति विशिष्ट योगदान हेतु विजेता घोषित किया गया था।
- **मई 2022 में अफ्रीकी देश आइवरी कोस्ट में** सदस्य देशों के वैश्विक सम्मेलन में प्रो. ज्याणी को विशेष उद्बोधन हेतु आमंत्रित किया जाएगा और उन्हें यह ट्रॉफी प्रदान की जाएगी।
- गौरतलब है कि संयुक्त राष्ट्र संघ की भूमि संरक्षण संबंधी इकाई **यूएनसीसीडी** द्वारा **प्रति दो वर्ष के अंतराल पर भूमि संरक्षण में अति विशिष्ट योगदान हेतु दुनिया भर से किसी एक व्यक्ति या संगठन को यह पुरस्कार** दिया जाता है।
- संयुक्त राष्ट्र की ओर से **भूमि बहाली और संरक्षण विधियों में नवाचार के लिये अंतर्राष्ट्रीय मंच पर उन संस्थाओं, व्यक्तियों को पुरस्कृत किया जाता है**, जो पर्यावरण और समुदायों की भलाई को बढ़ावा देते हुए उनके साथ संबंधों को बेहतर बनाते हैं। इसके तहत **चीन के सैहानबा फॉरेस्ट को राष्ट्रीय श्रेणी के तहत पुरस्कार** दिया गया।
- प्रो. श्यामसुंदर ज्याणी श्रीगंगानगर ज़िले की रायसिंह नगर तहसील के गाँव 12 टीके के निवासी हैं और वर्तमान में बीकानेर के राजकीय डूँगर कॉलेज में समाजशास्त्र के एसोसिएट प्रोफेसर हैं।
- प्रोफेसर ज्याणी पिछले 20 वर्षों से गाँव-दर-गाँव लोगों, स्कूली विद्यार्थियों व शिक्षकों के बीच जाकर उन्हें पेड़ एवं पर्यावरण के बारे में समझाने और अपनी तनख्वाह से पश्चिमी राजस्थान की रेगिस्तानी भूमि में लाखों पेड़ लगवाने जैसे उत्कृष्ट कार्य करते आ रहे हैं।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/prof-shyam-sundar-jyani-honored-with-un-award